an>

title: Need to rationalise toll tax collected on National Highways.

श्री भगवंत मान **(संगरूर):** अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान नैशनल हाईवे-1 की ओर दिलाना चाहता हूँ। नैशनल हाईवे-1, जो दिल्ली से अमृतसर तक जाता है, उस पर जगह-जगह जो टोल प्लाजा हैं, वहां पर बहुत भारी रकम वसूल की जाती है। वहां जगह-जगह डाईवर्ज़न लिखा रहता है। जो पुल हैं, वे अनकंप्लीट हैं, अभी पूरे नहीं हुए हैं और सड़कों की हालत बहुत ही खराब है। टोल प्लाजा के आस-पास दो-तीन किलोमीटर सड़क ठीक है। अमृतसर तक इतनी भारी रकम वसूल की जाती है कि जितना गाड़ी का तेल लगता है उतना ही हमें टोल टैक्स देना पड़ता है यानि तेल की कीमत डबल मानी जाए। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया को डायरेक्शन दें कि पहले सड़क कंप्लीट करे, फिर आप उस पर टोल लगाना। पंजाब में भी जो राजमार्ग हैं, वहां भी जगह-जगह टोल बहुत ज्यादा हो गए हैं। जब नई गाड़ी खरीदी जाती है, तब लाखों रूपये रोड टैक्स के रूप में लिए जाते हैं तो वह कौन सी सड़कों का है? अगर हमने 24 घंटे के लिए सड़क रैंट पर लेनी है, तो वे कौन सी सड़कें हैं। जब गाड़ी खरीदते हैं, तब रोड़ टैक्स लिया जाता है? इसकी ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। इस मामले में बहुत भारी लूट हो रही है।